

ग्रसा था रए।

EXTRAORDINARY

भाग II--ख उ 3--- उपल वड

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं । 222]

नई विल्ली, शानिवार, जून 16, 1973/ज्यैव्ड 26, 1895

No. 322]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 16, 1973/JYAISTHA 26, 1895

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह जलग संसलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

INSURANCE

New Delhi, the 16th June 1973

- S.O. 343(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 5 of the Emergency Risks (Goods' Insurance Act, 1971 (50 of 1971), the Central Government hereby makes the following scheme further to amend the Emergency Risks (Goods) Insurance Scheme published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. S.O. 5483, dated the 10th December, 1971, namely:—
 - (1) This Scheme may be called the Emergency Risks (Goods) Insurance (Second Amendment) Scheme, 1973.
 - (2) It shall come into force on the 1st day of July, 1973.

(1047)

- 2. In the Emergency Risks (Goods) Insurance Scheme, for sub-paragraph (1) of paragraph 10, the following sub-paragraph shall be substituted, namely:—
 - "(1) The premium payable under any policy of insurance in respect of the quarter ending on the 30th day of September, 1973, shall,—
 - (a) in respect of a policy of insurance in force on the 30th June, 1973, be nil;
 - (b) in the case of all new policies, including supplementary policies to the existing ones, be at the rate of six paise for every hundred rupees or any part thereof of the sum insured."

[No. F. 66(1) -Ins.1/73-1.]

वित्त मंत्रालय

(राजस्य ग्रौर मीमा विभाग)

ग्रधिसूचनाए

बीभा

नई दिल्ला, 16 जून, 1973

का॰ भा॰ 343 (भ्र).—-प्रापात जोखिम (माल) बीमा अधितियम, 1971 (1971 का 50) का धारा 5की उपयोग (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बामा विभाग) का तारोख 10 सितम्बर, 1971 की घिसूचना सं० का० ग्रा० 5483 के साथ प्रकाशित श्रापात जोखिम (माल) बोमा स्काम में भ्रीर संशोधन करने के लिये एतब्द्राण निम्नलिखित स्कीम बनाता है, श्रयान् ——

- (1) इस स्कोम का नाम आपात जोखिम (माल) बीमा (द्वितीय मजोधन) स्कीम, 1973 होगा ।
- (2) यह जुनाई 1973 के प्रथम दिन को प्रवृत्त होगी।
- 2. श्रापात जोखिम (माल) बोमा स्कीम में, पैरा 10 के उपपैरा (1) के स्थान पर, निम्निलिखित उपपैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, श्रायातु :--
 - "(1) बीमा की विक्सी पालिसी के अधीन सितम्बर 1973 के तीसवें दिन को समान्त होने वालो तिमाही की बाबत संदेय प्रीमियम,
 - (क) 30 जून 1973 को प्रवृत्त बीमा की पालिनी की बाबत शून्य होगा ;
 - (ख) समी नई पालिसियों की दशा में, जिनके मन्तर्गत विद्यमान, पालिसियों की श्रनुपूरक पालिसिया भी श्राती है, बोमाकृत राशि के प्रत्येक सौ रुपये या उसके कियों भाग के लिये छह पैसे की दर पर होगा।"

[सं॰ फा॰ 66(1)-बीमा 1/73-]

S.O. 344(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 3 of the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Act, 1971, (51 of 1971), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Scheme published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department

of Revenue and Insurance) No. S.O. 5486, dated the 10th December, 1971, namely:—

- (1) This Scheme may be called the Emergency Risks (Undertakings) Insurance (Second Amendment) Scheme, 1973.
- (2) It shall come into force on the 1st day of July, 1973.
- 2. In the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Scheme, for sub-paragraph (1) of paragraph 8. the following sub-paragraph shall be substituted, namely:—
 - "(1) The premium payable under any policy of insurance in respect of the quarter ending on the 30th day of September, 1973, shall,—
 - (a) in respect of a policy of insurance in force on the 30th June, 1973, be nil;
 - (b) in the case of all new policies, including supplementary policies to the existing ones, be at the rate of ten paise for every hundred rupees or any part thereof of the sum insured."

[No. F. 66(1)-Ins.1/73-II.]

C. S. ANANTAPADMANABHAN,

Officer on Special Duty & Ex-Officio Jt. Secy.

का० ग्रा० 343 (ग्रा).—ग्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा ग्रिधिनियम, 1971 (1971 का 51) की धारा 3 की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की तारीख 10 दिसम्बर, 1971 की ग्रिधिसूचना सं० का० ग्रा० 5486 के साथ प्रकाशित ग्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा स्कीम में ग्रीर मंग्राधन करने के निये एनद्वारा निम्नलिखित स्कीम बनाती है, ग्राथीत् :—

- (1) इस स्कोम का नाम ग्रापात जोखिमं (उपक्रम) बीमा (द्वितीय मंशोधन) स्कोम 1973 होगा।
- (2) यह जुलाई 1973 के प्रथम दिन को प्रमुत होगी।
- 2 आपात जोखिन (उनका) बीमा स्कीम में, पैरा 8 के उपपैरा (1) के स्थान पर निम्निखित उप-पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रार्थात् .--
 - "(1) बीमा की किसी पालिसी के प्रधीन, सितम्बर, 1973 के तीमवें दिन को समाप्त होने वाली तिमाही की बाबत संदेय प्रोमियम,
 - (क) 30 जून 1973 को प्रवृत्त बीमा की पालिसा की बाबत, जून्य होगा ;
 - (ख) सभी नई पालिसियों की दशा में, जिनके ब्रन्तर्गत विद्यमान पालिसियों की अनुपूरक पालिसियों भी ब्राती हैं, बीमाकृत राशि के प्रत्येक सौ दपये, या उसके किसी भाग के लिए दस पैसे की दर पर होगा।

[मं० फा० 66(1)-बोमा 1/73-II]

सी० एस० ग्रनंतपद्मनाभन,

विशेष कार्य ग्रधिकारी ग्रौर पदेन संयुत्त सचिव ।